A-0768

Total No. of Pages : 5 **Roll No. ....**

FCECD-02

Foundation Course in Special Education

1st Semester Examination 2024 [Dec.]

Early Identification, Assessment and Intervention

Time : 2 Hours ***[Maximum Marks : 100***

Note : This paper is of Hundred (100) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidate should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

Section–A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) / **(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)**

Note : Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Twenty six (26) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only.

(2×26=52)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What is cognitive development? Explain the different stages of cognitive development.

   संज्ञानात्मक विकास क्या है? संज्ञानात्मक विकास के विभिन्न चरणों को स्पष्ट करें।

2. Why is early identification and assessment essential for children with special needs? How can a teacher identify a child with autism in the classroom?

   विशेष आवश्यताओं वाले बच्चों के लिए प्रारंभिक पहचान और मूल्यांकन क्यों आवश्यक है? एक शिक्षक कक्षा में ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे की पहचान कैसे कर सकता है?

3. Explain in details any one scale used in functional assessment of Indian children at the early intervention stage.

प्रारंभिक हस्तक्षेप चरण में भारतीय बच्चों के कार्यात्मक मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले किसी एक पैमाने की विस्तारपूर्वक व्याख्या करें।

4. What do you understand by the importance of teamwork in early childhood development, assessment and intervention? Explain in detail.

प्रारंभिक बचपन के विकास, मूल्यांकन और हस्तक्षेप में टीम वर्क के महत्व से आप क्या समझते हैं? विस्तारपूर्वक समझाएं।

5. What is the importance of early intervention? Explain the role of the speech-language pathologist in the early childhood development of a child with special needs.

प्रारंभिक हस्तक्षेप का क्या महत्व है? विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे के प्रारंभिक बचपन के विकास में भाषण-भाषा रोग विशेषज्ञ की भूमिका की व्याख्या करें।

Section–B / खण्ड–ख

(Short-Answer-Type Questions) / **(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)**

Note : Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Twelve (12) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only.

(4×12=48)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What is the purpose of the early screening test?

   प्रारंभिक स्क्रीनिंग परीक्षण के क्या उद्देश्य है?

2. Explain the areas of assessment.

   मूल्यांकन के क्षेत्रों को स्पष्ट करें।

3. What are the barriers to easy access of assistive technology?

   सहायक प्रौद्योगिकी तक आसान पहुंच में क्या बाधाएं है। स्पष्ट करें

4. What is the role of Preschool teachers in early intervention?

   प्रारंभिक हस्तक्षेप में प्रीस्कूल शिक्षकों की क्या भूमिका है?

5. Describe the principles of early intervention?

प्रारंभिक हस्तक्षेप के सिद्धांतों का वर्णन करें हैं?

6. Explain the difference between formative and summative assessment.

रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन के बीच अंतर स्पष्ट करें।

7. What challenges are faced in assessing children?

बच्चों के आकलन करने में किन चुनौतियाँ का सामना करना पड़ता हैं?

8. What is the importance of assessment needs?

आकलन आवश्यकताओं का क्या महत्व है?

****